Sr. No.

INTERNATIONAL CENTRE FOR DISTANCE EDUCATION AND OPEN LEARNING

HANDBOOK OF INFORMATION

Session 2014-2015

Admissions to

Undergraduate/ Diploma/Postgraduate Courses

LAST DATE FOR RECEIPT OF APPLICATION FORMS

UG Courses (B.A./B. Com-I & II/BCA-I) (UNDER RUSA)	14.08.2014
UG Courses (B.A/B.Com. III /B.C.A.II & III) Old System	30.10.2014
PG Courses (M.A./M.Sc./All Diplomas)	30.08.2014
MBA	30.08.2014
MCA	16.08.2014

SOME IMPORTANT TELEPHONE NUMBERS

ICDEOL Enquiry	0177-2832239 0177-2833401
Director	0177-2831327
Deputy Registrar	0177-2831274
Asstt. Registrar (Acad. & A/c)	0177-2831834
S.O. Administration	0177-2832570
Learning Resource Centre, Noida (LRC) (U.P.)	0120-2400191, 2401709
Himachal Bhawan, Mandi House, Sikandra RoadNew Delhi	011-23730061

Students are advised to contact the following telephone numbers regarding admissions and academic matters :-

HPU Exchange Nos. : 0177-2830445, 2830635, 2831998, 2830709, 2831727

Websites:

ICDEOL www.icdeolhpu.org

University www.hpuniv.nic.in

1.	Under Graduate Course	0177-2833423, 2830917
2.	Academic-I (M.A. Eco., Math's, Pub. Admn. & Sociology)	0177-2833407 0177-2833410
3.	Academic-II (M.A. Eng., Hindi, Sanskrit, History,Pol. Science & Music)	0177-2833406, 2833409, 2830749
4	Academic-III (M.Ed., B.Ed., PGDMC, BCA, MMC, PGDCA & APGDIT)	0177-28335411, 2830672
5.	Academic-IV (MBA, M.Com, PGDPM & LW)	0177-2833412, 2830415
6.	R & I Section	0177-2830141, 2833413
7.	Accounts	0177-2830849, 2833416

For examination, registration, re-appear, result and degree enquiries please contact the following telephone numbers mentioned below:-

C.O.E.	0177-2830911
Dy. Registrar (P.G. Classes)	0177-2833556
Asst. Registrar (U.G. Classes)	0177-2833557, 2833558
Degree Cell	0177-2833565
Examination Branch for PG Course	
Unit-I (M.A. Eng.)	0177-2833563
Unit-II (M.A. Pol. Sc., History, Pub. Admn. & Sociology)	0177-2833560
Unit-III (M.Com., PGDPM)	0177-2833561
Unit-IV (Economics)	01772833562
Unit-V (B.Ed./M.Ed./MMC/MCA)	0177-2833590
Unit-VI (M.A. Maths)	0177-2833591
Registration, Migration & Eligibility Section	0177-2833598, 2833599
M.A. (Hindi, Skt.)	0177-2833559

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय - कुलगीत

पवित्रित वेदमंत्रो से मनोरम देवभूमि-निलय
विराजे नवल नालन्दा उन्हीं की छाँव में मधुमय
हिमाचल विश्वविद्यालय
विविध विद्यावलय, जय जय !!

धरा जो शक्तिपीठों की, धरा शत कोटि तीर्थों की
धरा जो शैलसंस्कृति की, धरा जो नृत्य-गीतों की
जहाँ रावी-विपाशा चन्द्रभागा पुण्य सलिलायें
कुसुम गलहार बनती हैं शतद्रू संग, सरितायें

धरा माण्डव्य ऋषि की परम पावन, ज्ञानमय-चिन्मय
हिमाचल विश्वविद्यालय
विविधविद्यावलय, जय जय !!

जहाँ तक रम्य धौलाधार पर्वत-शृंखला दिखतीं
वहाँ तक ज्ञान मधु रश्मियाँ नितफैलती रहतीं
थिरकते पाँव नाटी पर, लरजते गीत चम्बा के
स्वयं श्री शारदा साकार हो उठतीं उन्हें गाके

लिये 'शास्त्रे च शस्त्रे कौशलम्' का मंत्र जो निर्भय
हिमाचल विश्वविद्यालय
विविधविद्यावलय, जय जय !!

तपोरत देवदारु खड़े तथागत-सदृश हैं लगते
सुभग सन्देश मैत्री का निरन्तर बाँटते रहते
हिमाचल का परम गौरव, सदन विद्या-कलाओं का
सदन विज्ञान का, तकनीकियों का, योग्यताओं का

निरन्तर बढ़ रहा आगे उदित रवि सा, सतत समुदय
हिमाचल विश्वविद्यालय
विविधविद्यावलय, जय जय !!

ICDEOL

ICDEOL

HIMACHAL PRADESH UNIVERSITY

Shimla-171005

Price :

At the counter : ₹ 350/- (₹ Three Hundred Fifty Only)
By Post : ₹ 400/- (₹ Four Hundred Only)

Printed at : The H.P. State Co-op. Dev. Fed. Printing Press, Shimla. Ph.: 0177-2803323

संदेश

शिक्षा वास्तव में एक मानवीय विकास की सतत् प्रक्रिया है। यह अपना अभीष्ट उद्देश्य तभी पूर्ण कर पाती है जब यह शिक्षार्थी को मानवीय मूल्यों और संवेदनाओं से अनुप्राणित कर सके। शिक्षा का प्रयोजन किसी तकनीकी या व्यवसाय विशेष में दक्षता पैदा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि जीवन में मूल्यबोध और मूल्यनिष्ठा की सहजता विकसित करना इसका प्रथम उद्देश्य होना चाहिए। इस प्रक्रिया के अंतर्गत शिक्षित व्यक्ति ही अपने प्राकृतिक एवम् सामाजिक परिवेश के साथ सृजनात्मक सम्बन्ध स्थापित कर सकता है और इसी से मानवीय चेतना का गुणात्मक विकास संभव हैं।

अद्यतन संचार साधनों के द्वारा सभी प्रकार का ज्ञान ग्रहण करने की गति तीव्र हुई है। ज्ञान के प्रचार–प्रसार के माध्यम निरंतर बढते जा रहे हैं। कुछ सीखने के लिए आज किसी के पास जाने की आवश्यकता नहीं है। अतः मानवीय विकास की इस प्रक्रिया के साथ शिक्षा का सामंजस्य भी आवश्यक है।

शिक्षा की प्रक्रिया में निरंतर परिवर्तन हो रहे हैं और ऐसी स्थिति में शिक्षा व्यवस्था में वैश्विक स्तर पर दूरवर्ती शिक्षा प्रणाली का महत्व बढ़ रहा है। दूरवर्ती शिक्षा हर आयुवर्ग और हर तरह की भौगोलिक स्थिति में रहने वाले लोगों को शिक्षा की सुविधा उपलब्ध कराने की दिशा मे प्रभावी और उपयोगी सिद्ध हो रही है। इस के कारण मुक्त विद्यालयों से लेकर मुक्त एवम् दूरवर्ती शिक्षा विश्वविद्यालयों का प्रसार बढ़ा है।

दूरवर्ती शिक्षा आज के समय की आवश्यकता है। मुझे यह जानकर प्रसन्नता है कि हमारे विश्वविद्यालय का अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवम् मुक्त अध्ययन केन्द्र शहर से लेकर गाँवों तक के शिक्षार्थियों को उच्च स्तरीय शिक्षा प्राप्त करने के लिए अच्छे अवसर प्रदान कर रहा है। इसमें कुछ नये व्यावसायिक पाठ्यक्रम भी शामिल किए गए हैं। वर्तमान में राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान (रूसा) प्रणाली को सफलतापूर्वक कार्यान्वित किया गया है जिसके अर्न्तगत देश व प्रदेश के हर वर्ग के शिक्षार्थियों को अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवम् मुक्त अध्ययन केन्द्र के माध्यम से शिक्षा ग्रहण करने का सुअवसर मिला है। विद्यार्थियों की सुविधा के लिये हिमाचल भवन, नई दिल्ली में 'सूचना एवम् मार्गदर्शन केन्द्र' का शुभारंभ श्लाघ्य प्रयास है।

मेरी शुभकामना है कि हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का यह अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवम् मुक्त अध्ययन केन्द्र अपने नाम के अनुरूप 'अन्तर्राष्ट्रीय ख्याति' प्राप्त करे।

(अरूण दिवाकर नाथ वाजपेयी)
कुलपति
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय, शिमला।

संदेश

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय का अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवम् मुक्त अध्ययन केन्द्र वर्ष 1971 में अस्तित्व में आया तथा इसकी स्थापना के पश्चात् यह निरंतर प्रगति करते हुए उत्तर भारत का एक अग्रणी पत्राचार शिक्षण संस्थान सिद्ध हुआ है।

इस संस्थान का मूल उद्देश्य शिक्षा का व्यापक प्रचार व प्रसार राष्ट्रीय और अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर ले जाने का रहा है। शिक्षा के सीमांत को मुक्त एवम् दूरवर्ती शिक्षा प्रणाली के माध्यम से आगे बढ़ाने का सार्थक प्रयास साबित हुआ। संस्थान के माध्यम से प्रदेश के दूर–दराज के छात्रों व कार्यरत कर्मचारियों को घर बैठे शिक्षा प्राप्त करने का सुअवसर मिला है।

अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवम् मुक्त अध्ययन केन्द्र द्वारा स्नात्तक, स्नातकोत्तर तथा व्यवसायिक पाठ्यक्रम चलाए जा रहे हैं तथा इस समय इसके विभिन्न अध्ययन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी पंजीकृत हैं, और लाभान्वित हो रहे हैं।

सूचना प्रौद्योगिकी और साइबर क्रांति के इस युग में कम्पयूटर, व्यवसाय प्रबंधन और पत्रकारिता, शिक्षा तथा गणित आदि के पाठ्यक्रम भी दूरवर्ती केन्द्र द्वारा से चलाए गए हैं। सत्र 2013–14 से स्नात्तक स्तर पर राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अतंर्गत बी.ए. / बी. कॉम. कक्षाओं में प्रवेश दिया जा रहा है।

इस शैक्षणिक सत्र से नोएडा के अतिरिक्त हिमाचल भवन, नई दिल्ली में भी सूचना एवम् मार्गदर्शन केन्द्र विद्यार्थियों की सुविधा के लिए शुरू कर दिया गया है जो कि केन्द्र के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है तथा इससे उत्तर भारत के छात्रों को शिक्षा ग्रहण करने तथा जानकारी हासिल करने की सुविधा मिलेगी।

मुझे आशा है कि अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवम् मुक्त अध्ययन केन्द्र, हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय में आप अपने उत्साह, दृढ निश्चय और इच्छा शक्ति से अपना लक्ष्य प्राप्त करके अपने स्वप्न को साकार करने में सफल रहेंगे ताकि आप इस राष्ट्र के सुशिक्षित व सभ्य नागरिक बन सकें। मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करता हूं।

(आचार्य राजेन्द्र सिंह चौहान)
प्रति–कुलपति
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय

संदेश

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की 1970 में स्थापना के एक वर्ष बाद ही 1971 में यहां पत्राचार पाठ्यक्रम निदेशालय भी स्थापित कर दिया गया था, जो उत्तर भारत का एक अग्रणी पत्राचार शिक्षण संस्थान सिद्ध हुआ। इसी निदेशालय को कालांतर में अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवम् मुक्त अध्ययन केन्द्र नाम दिया गया। यह नया नाम इस संस्थान को मात्र ऊँचा और बड़ा अधिमान देने के लिए नहीं था, बल्कि इस संस्थान के माध्यम से जनसुलभ शिक्षा का व्यापक प्रचार–प्रसार राष्ट्रीय व अन्तर्राष्ट्रीय स्तर पर करने का उद्देश्य प्रमुख था। यह शिक्षा के सीमांत को मुक्त एवम् दूरवर्ती शिक्षा प्रणाली के माध्यम से आगे बढाने के लिए था। समय और परिस्थितियों के अनुरूप इस शिक्षा प्रणाली द्वारा राष्टीय और अन्तर्राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य प्रदान करने की दिशा में इस केन्द्र का विस्तार विश्वविद्यालय का एक महत्त्वपूर्ण कदम था, जिसके अन्तर्गत स्नात्तक, स्नातकोत्तर तथा व्यवसायिक पाठ्यक्रम एक साथ चलाए गए। तभी से यह केन्द्र निरंतर प्रगति के पथ पर अग्रसर है और इस समय इसके विभिन्न अध्ययन कार्यक्रमों में बड़ी संख्या में विद्यार्थी पंजीकृत हैं और लाभान्वित हो रहे हैं।

आज सूचना प्रौद्योगिकी और साइबर क्रांति के समय में हमारे यहां कम्पयूटर, व्यवसाय प्रबंधन और पत्रकारिता, शिक्षा तथा गणित आदि के पाठ्यक्रम भी दूरवर्ती प्रणाली से चलाए गए हैं। सत्र 2013–14 से स्नात्तक स्तर पर राष्ट्रीय उच्चतर शिक्षा अभियान के अतंर्गत बी.ए. / बी. कॉम. कक्षाओं में प्रवेश दिया जा रहा है। यह रूसा (RUSA) प्रणाली मुख्यतः ऑन–लाईन आधारित है। अतः विद्यार्थियों से अनुरोध है कि वे हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की वेबसाइट को समय–समय पर पूरी जानकारी हासिल करते रहें। इस शैक्षणिक सत्र् से हिमाचल भवन, नई दिल्ली में सूचना एवम् मार्गदर्शन केन्द्र भी विद्यार्थियों की सुविधा के लिए शुरू कर दिया गया है।

हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय के अन्तर्राष्ट्रीय दूरवर्ती शिक्षा एवम् मुक्त अध्ययन केन्द्र में आपका स्वागत है। अपने उत्साह, दृढ निश्चय और इच्छा शक्ति के रहते आप अपना लक्ष्य प्राप्त करके अपने स्वप्न साकार कर सकेंगे। मैं आपके इस अध्ययन में सफलता के साथ ही आपके सम्पूर्ण व्यक्तित्व के विकास में भी सहायता प्रदान करेगा ताकि आप इस राष्ट्र के सुशिक्षित व सभ्य नागरिक बन सकें, इसके लिए मेरी हार्दिक शुभकामनाएं।

(आचार्य रमेश चन्द कौंडल)
निदेशक
अन्तर्राष्टीय दूरवर्ती शिक्षा एवम् मुक्त
अध्ययन केन्द्र